

सम. ए. मोग-१ मराठी  
अध्यात्मक जुलै, १९६७ नाशून

तातिळांची विभागणी

प्रश्नपत्रिका पहिली - मध्युगीन मराठी वाङ्-मार्ग इतिहास.

तत्र पहिले

|        |   |            |
|--------|---|------------|
| प्रक-१ | मध्युगीन आलखेच व मराठी ताहित्यगिर्मितीची वार्षिकी | ४ तातिळा   |
| प्रक-२ | दाथ संप्रदायाचे ताहित्य                           | ४ तातिळा   |
| प्रक-३ | महानुभाव पंथाचे ताहित्य                           | १६ तातिळा  |
| प्रक-४ | वारकरी संप्रदायाचे ताहित्य                        | १६ तातिळा  |
|        |   | ४० तातिळा. |

तत्र दुसऱ्ये

|        |   |            |
|--------|---|------------|
| प्रक-५ | दत्त संप्रदायाचे ताहित्य                  | ४ तातिळा   |
| प्रक-६ | तम्यं संप्रदायाचे ताहित्य                 | ६ तातिळा   |
| प्रक-७ | पंडिती काव्य                              | १० तातिळा  |
| प्रक-८ | प्रेरणा, स्वर्णा व कार्य                  | १० तातिळा  |
| प्रक-९ | गाहिरी काव्य                              | १० तातिळा  |
|        | वर्खर (याद्य) मय व ऐतिहासिक पत्र वाङ्-मय. | १० तातिळा. |
|        |   | ४० तातिळा. |

पृष्ठपत्रिका दुसरी  
संगिकाशास्त्र

सत्र पढिले

|                                   |               |
|-----------------------------------|---------------|
| पद्धक-१ समीक्षा - व्याख्या व स्थल | १० तात्त्विका |
| पद्धक-२ तमीक्षेषी व्याप्ती        | १० तात्त्विका |
| पद्धक-३ साहित्य तमीक्षेषी निकाष   | १० तात्त्विका |
| पद्धक-४ सीक्षाचे मुण विशेष        | १० तात्त्विका |
|                                   | ५० तात्त्विका |

सत्र दुरे

|                                    |               |
|------------------------------------|---------------|
| पद्धक-५ तमीक्षेषी वाटचाल           | १२ तात्त्विका |
| पद्धक-६ तमीक्षेष्या तिर्य व पद्धती | १८ तात्त्विका |
| पद्धक-७ समीक्षेषी उपयोजन           | १० तात्त्विका |
|                                    | ५० तात्त्विका |

पृष्ठपत्रिका तितरी  
लेखकांचा अभ्यास प्राचीन/अधिकारी  
हानेश्वरी

सत्र पढिले

|                                 |                |
|---------------------------------|----------------|
| पद्धक-१ हानेश्वरीची पार्श्वभूमी | १५ तात्त्विका  |
| पद्धक-२ हानेश्वरी               | ३५ तात्त्विका. |

सत्र द्वारे

|  |                |
|--|----------------|
| अमृताद्वाभ                             | १० तात्त्विका  |
| वांगदेव पातळी                          | ०५ तात्त्विका  |
| हरियांचे अभ्यं                         | ०५ तात्त्विका  |
| इतर अभ्यं, गौब्जी, विरहिणी पदे इत्यादी | २० तात्त्विका. |
|  | ५० तात्त्विका  |

दि. वा. शिरवाडकर/कुमु गुजर

सत्र पढिले

|                         |               |
|-------------------------|---------------|
| कुमु गुजरांची संशोधनिता | ३० तात्त्विका |
| तम्हा स्फुट लिलितेखन    | १० तात्त्विका |
|                         | ५० तात्त्विका |

सत्र द्वारे

|                                      |                |
|--------------------------------------|----------------|
| दि. वा. शिरवाडकरांची नाटके           | २० तात्त्विका  |
| वाद्य-या                             | ०५ तात्त्विका  |
| उधा                                  | ०५ तात्त्विका  |
| साहित्य तिचार व तमीक्षेषी लंबंधी तेल | १० तात्त्विका. |

प्रश्नपत्रिका चौथी  
भावित्यकृतीया अव्याप्ति  
सत्र पहिले

|                        |               |
|------------------------|---------------|
| शोलेकायी - मोरोपंड     | २० तात्त्विका |
| मधुकर - विनोबाबी भाष्य | २० तात्त्विका |

---

४० तात्त्विका

सत्र-द्वारे

|                        |               |
|------------------------|---------------|
| वाहिनामा - नारायण शुचि | २० तात्त्विका |
| ध्यायाया - जयवंत देवी  | २० तात्त्विका |

---

४० तात्त्विका

किंवा

विनोदी साहित्य

सत्र पहिले

|  |               |
|--|---------------|
| घटक-१ विनोदी साहित्याची संख्यना - - -  | १६ तात्त्विका |
| घटक-२ विनोदाचे प्रकार                  | ०८ तात्त्विका |
| घटक-३ विनोदी साहित्याचे स्वरूप व घरंगा | ०८ तात्त्विका |
| घटक-४ विनोदी साहित्याचे प्रकार         | ०६ तात्त्विका |
| घटक-५ काढी प्रमुख विनोदी साहित्यक      | १२ तात्त्विका |

---

४० तात्त्विका

सत्र द्वारे

|                                   |               |
|-----------------------------------|---------------|
| घटक-६ काढी प्रमुख विनोदी साहित्यक | ४० तात्त्विका |
|-----------------------------------|---------------|

टीव : - कोणत्याही साहित्यकृतीपर संतंत्र प्रश्न विचारले जाऊ नव्हेत.

विवा

तमाजभाषा विहान

सत्र पहिले

|   |               |
|---|---------------|
| घटक-१ तात्त्वाचिक भाषाविहान स्वरूप व व्याप्ती | ०८ तात्त्विका |
| घटक-२ भाषा व तंत्रकृती                        | ०८ तात्त्विका |
| घटक-३ भाषा संपर्क                             | ०८ तात्त्विका |
| घटक-४ भाष्यक प्रदूषण व भाषागूढ्याची चक्रवड    | ०६ तात्त्विका |
| घटक-५ प्रसार भाषा                             | ०६ तात्त्विका |
| घटक-६ बोल विहान                               | ०८ तात्त्विका |

---

४० तात्त्विका

सत्र द्वारे

|                              |               |
|------------------------------|---------------|
| घटक-७ भारतातील भाष्यक प्रश्न | ०६ तात्त्विका |
| घटक-८ भाषा आणि लिपी          | ०८ तात्त्विका |
| घटक-९ भाषा आणि शिळ्प         | ०६ तात्त्विका |
| घटक-१० शासन व्यवहाराची भाषा  | ०८ तात्त्विका |
| घटक-११ जनसंरक्षणाची भाषा     | ०८ तात्त्विका |
| घटक-१२ भाषा आणि गाहित्य      | ०४ तात्त्विका |

---

४० तात्त्विका

|       |  |           |
|-------|--|-----------|
| घटक-१ | स्त्रीवादाची श्रेरणा, संकलना आणि स्वरूप                        | ०८ तासिळा |
| घटक-२ | लोगी मुक्तीची आंदोलने आणि स्त्रीवादी साहित्य<br>पात्रीक अनुबंध | ०६ तासिळा |
| घटक-३ | पाश्चयात्य स्त्रीवादी ताहित्याचा सूक्ष्म परिचय                 | ०६ तासिळा |
| घटक-४ | मराठीतील स्त्री लोगी जागिरेये ताहित्य आणि त्याची<br>जैशिट्ये   | ०८ तासिळा |
| घटक-५ | किंवा साहित्य कृतींचा अभ्यास                                   | १२ तासिळा |
|       |  | ४० तासिळा |

सत्र द्वितीये - मार्क्सवादी साहित्य

|       |   |           |
|-------|---|-----------|
| घटक-१ | मार्क्सवादाची तात्त्विक बैठक आणि स्वरूप         | ०६ तासिळा |
| घटक-२ | मार्क्सचे साहित्य विषयक विचार                   | ०६ तासिळा |
| घटक-३ | मार्क्सव्या अनुयायाचे साहित्य विषयक विचार       | ०६ तासिळा |
| घटक-४ | मराठी लेखकांचे मार्क्स-तरीकी साहित्यविचार       | ०६ तासिळा |
| घटक-५ | मार्क्सवादाचा मराठी ताहित्य निर्मितीवरील प्रभाव | ०७ दासिळा |
| घटक-६ | किंवा शेष साहित्यकृतींचा अभ्यास                 | १२ तासिळा |
|       |   | ४० तासिळा |

॥ अंतरी पेट्बू जानज्योत ॥  
उत्तर महाराष्ट्र किंवीड, जवळांच.

सम. ए. भाग-१ उद्यासून

[जून, १९९७ पासून]

विषय :- मराठी

प्रश्नपत्रिका-१ :- मध्युगीन मराठी वाङ्‌मयाचा इतिहास [प्रारंभ ते १८९८]

उद्दिष्ट्ये :-

मध्युगीन मराठी वाङ्‌मयाच्या प्रारंभा काळापासून साहित्य निर्मितीच्या विविध कालखंडातील प्रेरणा, धार्मिक, सांस्कृतिक, सांगीकारिक पार्श्वभूमी, वाङ्‌मयीन प्रवृत्ती, प्ररणा, वाङ्‌मय प्रकारांची पृथमात्मका, तंकेत, प्रभाव, अनुकरण, खंडखोरी, ह. वाङ्‌मयेतिहास संकल्पनेच्या अंदर्भात मध्युगीन वाङ्‌मयाचा परानंद घेणे. विविध संप्रदायांच्या वाहमध प्रकारांच्या उदयास्ताची मीमांसा करणे. महत्वाच्या ग्रंथातील आशां, वाङ्‌मयीन सौंदर्य, सांगीकारिकता वाचे स्थलं प्राणून घेणे.

पहिले सत्र

प्रक-१ :- मध्युगीन कालखंड व मराठी साहित्य निर्मितीची पार्श्वभूमी

१. १ मध्युगीन मराठी साहित्य निर्मितीचे प्रारंभीचे स्वरूप [छोरीच लेख, इतर ग्रंथातून मिळणारी मालिकी, संस्कृत-प्राजूताची पार्श्वभूमी, धार्मिक-संस्कृतिक पार्श्वभूमी, आद्य मराठी वाङ्‌मयकार मुळंदराज. ]

प्रक-२ :- नाथसंप्रदायाचे साहित्य

२. १ नाथसंप्रदायाचे वाङ्‌मयादर्श व निर्मितीप्रेरणा
२. २ नाथसंप्रदायाच्या साहित्याचा परिचय
२. ३ नाथसंप्रदायाच्या साहित्यातील वाङ्‌मयीन वैशिष्ट्ये.

प्रक-३ :- महानुभाव पंथाचे साहित्य

३. १ महानुभाव पंथाची पूर्वीचिका [तंकेत], गंधारे संवायक आणि प्रतारल, तत्काळान आणि आघारधी [संकेत]
३. २ महानुभाव लाहित्याच्या निर्मिती प्रेरणा व वाङ्‌मयादर्श
३. ३ महानुभाव पंथाचे धूम साहित्य  
[धूम, महानुभावाचे साती ग्रंथ].
३. ४ महानुभाव पंथाचे ग. साहित्य व वाङ्‌मय प्रकारांची पृथमात्मका [चरित्रांदृष्ट]

जीवायरित्र, श्री. गोविंदे प्रूष यरित्र, जीकृष्ण यरित्र, सुश्राव, दुष्टान्त पाठ,  
स्थानपोधी पूजावतर टीकाग्रंथ इ. ]

३.५ महानुभाव पंचाची सांख्यतिळ - वाहू. मधीन कालगिरी.

छटक-४ :- वारकरी संप्रदायाचे साहित्य.

४.१ वारकरी संप्रदायाचा प्रारंभ व विकास.

४.२ वारकरी संप्रदायाचे वाहू. मधादर्श व निर्मिती प्रेरणा.

४.३ वारकरी संप्रदायातील प्रमुख संत शनेश्वर, नानदेश, रुद्रान्ध, दुष्टान्त दांच्या  
वाहू. याचे स्वरूप.

४.४ ज्ञानेश्वरांच्या प्रभावकीतील संतांवी आणि संत कवयित्रींच्या वाहू. मधाचा परिचय.

४.५ वारकरी संप्रदायातील साहित्य रचनेतील विविधा, वाहू. मधीन सौंदर्य.

सत्र द्वारे

छटक-५ :- दत्त संप्रदायाचे साहित्य

५.१ दत्त संप्रदायाच्या उद्गारी जीवांता, तत्त्वज्ञान आणि कार्य.

५.२ दत्त संप्रदायाची वाहू. मधीन कालगिरी.

छटक-६ :- समर्थी संप्रदायाचे साहित्य

६.१ समर्थी संप्रदायाचे वाहू. मधादर्श, निर्मिती प्रेरणा.

६.२ समर्थी राजदातांची वाहू. मधीन कालगिरी.

६.३ समर्थी संप्रदायातील अन्य साहित्यकांचे वाहू. मधीन कालगिरी.

छटक-७ :- पंडिती काव्यप्रेरणा, स्मरण व कार्य.

७.१ पंडिती काव्याची सांख्यतिळ पारवृद्धी.

७.२ पंडिती काव्याची वैशिष्ट्ये.

७.३ मुक्तेश्वर, श्रीधर, शामन पंडित, ताम्रराघ, मोरोफं, सहिपती, मधुदृशी, अळूतराघ,  
इत्यांदिंच्या रचनांचे लक्षण : वाहू. मधीन परंपरेतील स्थान,

७.४ तंजावरचे नराची हाडित्य, प्रेरणा, स्वरूप व पूर्णात्मता [रुद्रमाध पंडित अद्वित  
हेत आशी इ. ]

७.५ दाशोङताची साहित्य व वैशिष्ट्ये.

७.६ पंडिती हाडित्याचे दोगदान [आख्यान काव्य, लतोत्र श्लोक, चित्राख्य इ. ]

घटक-८ :- शाहिती काव्य.

- ८.१ शाहिती काव्यस्था निर्दितीची सांस्कृतिक-वाङ्‌मीन पाश्चर्याभूमी..
- ८.२ दोदाढे : दिव्य, रघनाबंध, ईली.
- ८.३ लालणीःविष्णु, रघनाबंध, ईली.
- ८.४ फटका व ऐतिक : विष्णु, रघनाबंध, ईली.
- ८.५ प्रसुख शाहिरांचा परिचय.

घटक-९ :- बछर वाङ्‌मय व ऐतिहासिक पश्चात्‌मय.

- ९.१ बछर वाङ्‌मयात्या निर्वितीप्रेरणा व सांस्कृतिक पाश्चर्याभूमी.
- ९.२ बछरीचे कालातु तर वर्गीकरण  
[प्रार्थ्मूर्वकालिन, जिषकालीन, पेशेकालीन].
- ९.३ बछरींचा वाङ्‌मयीन आहूतीबंध  
[ज्योतिषकाट, भाषिकडौत, लोक्साहित्याचा प्रभाव, अन्य भाषांचा प्रभाव].
- ९.४ मराठीतील प्रसुख बछरींचा संक्षिप्त परिचय, भाविकावतीची बछर, शिष्यदिग्दिवजद, सप्तप्रवरणात्तक घरित्र, सभातद बछर, पानीपतघी बछर, आज्ञापत्रा ह.
- ९.५ ऐतिहासिक पश्चात्‌मयाचे स्वरूप व प्रकार.

प्रश्नपत्रिका-२ :- सभीकाशास्त्र

तत्र पठिले ।

१. तसीक्षा-व्याख्या व स्थरूप.

- १.१ सभीक्षा म्हणै काढू सभीक्षेच्या प्रसुख व्याख्या..
- १.२ सभीक्षेती प्रक्रिया [वाचन आडलन आसवाद, मुल्यग्रापन इत्यादी संदर्भांचा परिचय]
- १.३ सभीक्षेती रांगंधी घटक - लेखक, लाइत्यकूती सभीक्षा व वाचक यांचा परस्पर संबंध.
- १.४ सभीक्षेती हितिध प्रयोजने व कार्य [परीचय, अभ्यास, विश्लेषण, परीक्षण सभीक्षण नोंद. उष्टव्यक्तिकरणात्तक टिप्पणी, अधीनिर्णयन [झंदर ट्रैटेनम, मूल्यग्रापन इत्यादी].
- १.५ सभीक्षेच्या योग्यादा.

२. सभीक्षेती व्याप्ती.

- २.१ बाह्यकेंद्री व आंतरकेंद्री सभीक्षा.
- २.२ साहित्य कृतीग्रन्थ सभीक्षा.
- २.३ साहित्य प्रकारशिष्ठ सभीक्षा.

२. ४ ताहित्येतिहास आणि हीला.  
२. ५ समीक्षाशास्त्र : स्वतंत्र हानशाखा.

३. साहित्य समीक्षेचे निळज.

३. १ साहित्यकृतीच्या समीक्षाचे निळज .  
३. २ पाद्. अवीन मुल्ये.  
३. ३ जीघनमुल्ये.  
३. ४ पाद्. मर्म. महात्मतेचा प्रश्न, साहित्य कृती चांगली आणि ऐलंठ पातील अंद रेणा.  
३. ५ ताहित्यसमीक्षेची परिभाषा.

४. समीक्षाचे गुणनिषेच.

४. १ गृहदय परंतु साक्षी भोक्ता समीक्षा.  
४. २ समीक्षाचे गुण - संवेदनागतिता, रसीलता, प्रव्वास, उल्लङ्घनाता, छ्युत्पत्तिता, विश्लेषिता, विकित्सक्ता, मुल्य विशेष भाषिक तारी, अंयानशीलता, तटस्थिता व न्यायदृष्टी.  
४. ३ साहित्यकृतीची य साहित्य व्यवहाराची घाण [साहित्य कृतीची भाष्यक विशिष्टता, साहित्याचे असौ पण, साहित्याचे आवाहातां रुपात्मक, भाषिक व रुलार ल अंग].  
४. ४ समीक्षाने पाठ्याचा वा पथये - समीक्षा 'किं'चित्त अवधान व तारतम्य, निळजारतम्य, व्यक्तिनिष्ठा आणि व्यापुनिष्ठता याचे तारतम्य, दांडणी व ईली धारणी भ्रमतुत अप्रभ्रुत विषेश, मुलंगती व ब्रह्मक्रमा याचे भाव, स्मरणता [क्लेरिटी] भेळेपणा ; साक्षिकता यासंबंधीचा f. नेल, f. धावक दृष्टीकोण.

तत्र द्वितीये

समीक्षेची पाठ्याल, तजीक्षेच. विनिध पद्धती : उपरोक्त.

५. समीक्षेची पाठ्याल : f. पुष्पगास्त्री चिपळुण्डर, न. चि. केळर, गि. स. ठारेलर,  
ना. सि. ऊळे, नैरन्दा. त. दुलजर्णी, दि. ने. वेडेकर –  
नरठर कुरुंदंडर.  
६. समीक्षेच्या विनिध पद्धती.  
६. १ चर्चित्रात्मक समीक्षा पद्धती.  
६. २ ऐतिहासिक समीक्षा पद्धती.

६. ३ समाजशास्त्री सभीक्षा पद्धती [गार्डियादी]  
 ६. ४ भावसंशास्त्री [आदिवर्धात्मक].  
 ६. ५ रूपदादी / आकृतिनिष्ठ भवीक्षा पद्धती.  
 ६. ६ ईतिहासिक सभीक्षा पद्धती.  
 ६. ७ धर्मितार्थशास्त्री सभीक्षाशास्त्र.
७. सभीक्षे उपयोगन,
७. १ तमापशास्त्री सभीक्षा पद्धतीनुसार "उचल्या" लक्षण गाळवाढ  
 ड्या पुस्तकाची सभीक्षा.
७. २ रूपदादी सभीक्षा पद्धतीनुसार बालयीच्या "ओडुंबर" कनितोची सभीक्षा.

प्रश्नपत्रिका-३ :- [प्रिशेज स्तर] लेखाच्या अभ्यास प्राचीन/अधिकीन.

उद्दिदक्षये :-

- १] एकाच लेखाच्या तंत्रांमध्ये भवीन लृत्याचे आवान करावे.
- २] लेखाच्या काळ आणि तथाची घाड. स्थानिर्दिती घालील अद्योध तळात घेऊ.
- ३] लेखाच्या घाड. भवीन प्रेरणांचा शोध घेऊ.
- ४] लेखाने यराठी ताहित्याला दिलेले घोगदान.

प्राचीन लेख

ज्ञानेश्वर

सत्र पर्हिले - ज्ञानेश्वरी

सत्र द्वारे - अमृतामृथ, यांगदेव पासवटी, हरीपऱ्याचे अमंग, पदे अमंग, गौतमी, विरहिणी इत्यादी.

अधिकीन लेख

दि. वा. शिरवाडकर/कृष्णगुज.

कविता, नाटक, कथा, कादंबरी, स्फुट ललित लेख, साहित्य गियार, भवीन यात्रांधीचे तेऊ यांच्या संदर्भात अभ्यास अभियंत]

सत्र पर्हिले - कवि कृष्णगुजांदी इमार कविता आणि तंत्र स्फुट ललित लेख.

सत्र द्वारे - वि. वा. शिरवाडकरचे गट लेख.

नाटके, कथा, कादंबरी, साहित्याचा पार द सर्वीक्षेंधी लेख.

प्रश्नपत्रिका-४

[१] साहित्यकृतींचा अभ्यास

उद्दिदाट्ट्ये :-

- १) साहित्यकृतीच्या सौंदर्याचे आकलन करत आसदार ऐवजाची दृश्या निखणि करणे.
- २) विशिष्ट साहित्यप्रकारात त्या साहित्य कृतीचे ह्यान आणि घटला जाणुन घेणे.
- ३) आकृती : अभिक्षयकृतीच्या अंगांने विशिष्ट साहित्यकृतीचे स्वरूप व वैशिष्ट्ये पांचा शोध घेणे.

सत्र पहिले

- १) इलोकफेकापली - भोरोळंत.
- २) घुमर - विनोदाची आवे.

सत्र द्वारे

- ३) जाहिरनामा - नारायण हुर्वे
- ४) संध्याऊपा - वयवंत दबडी.

हिंदा

[२] विनोदी साहित्य

- उद्दिदाट्ट्ये :-
- १) विनोदी साहित्याची गोलामा व स्वरूप आवे आकलन करणे.
  - २) मराठी जाहित्यातील विनोदी वेखाची परंपरा प्राज्ञान घेणे.
  - ३) मराठी विनोदी साहित्य प्रकार सख्खून घेण व विनोदाच्या निर्धारितीची व आवानाती दृश्या आकविणे.

सत्र पहिले

घटक-१ :- विनोदी साहित्य तंत्रज्ञान

- १) विनोद निर्धारितीचीपांत्र : उपहार, उपरोध, वंशोक्ती विसंगती, असंख्यदत्ता इत्यादी.

घटक-२ :- विनोदाचे प्रकार

वंशदनिवार, प्रसंगनिवार, स्वभावनिवार, कल्पनानिवार इत्यादी.

छटक-३ :- फिनोदी साहित्याचे स्वरूप व परंपरा.

छटक-४ :- फिनोदी साहित्याचे प्रकार.

फिनोदी बैण, फिनोदी नाटके, प्रवृत्तने, फिनोदी कथा, फिनोदी लिखिता, फिनोदी शास्त्रांशीली पिण्डेन काढ्य काणि वात्राटिका, प्रवातदर्जनातील फिनोद.

छटक-५ :- काढी प्रदूष फिनोदी ताहित्यीक.

- १] दीपाद हुण्ण कोल्हटकर.      २] राय. गणेश गडकरी.
- ३] चिं. पि. जोशी.

### सत्र दुसरे

काढी प्रदूष फिनोदी ताहित्यज

- १] प्र. के. अंत्रे,      २] पु. न. देशमुख.
- ३] गंगाधर गाडगीच,      ४] द. मा. चिराजदार.

### किंवा

सामाजिक विज्ञान

[विचित्र भाषिक प्रश्नांचा विशेष अभ्यास]

[परिसामा व इतर तपासीलाचे परिशिष्ट उत्तरांच्यात उत्तरांच्यात ऐक्षुलं]

### सत्र दहिले

सामाजिक भाषांचा विकास - स्वरूप व च्याप्ती

- १] आधुनिक भाषाविकासातील विविध प्रकार  
[तोत्युर, ब्लूमफील्ड, पॉम्स्टो इ. ]
- २] सामाजिक भाषा विज्ञानाचे वेगळेचण  
[सपीर चोर्फ - गॉलिनोचक्की ]
- ३] सामाजिक भाषा विज्ञान एक आंतरिक्षयादेशीय अभ्यासदेश
- ४] सामाजिक भाषा विज्ञानातील पापांग्मा तंकल्पना.

३. १ भाषिक सापेक्षतावादाचा तिथदांत
३. २ भाषिक वर्तन आणि पारस्थीतोया संदर्भ
३. ३ संदेश घडन क्षमता, भाषिक भांडार व बहुदेश
३. ४ भाषेये समाजविहान
३. ५ भाषातंपर्क
३. ६ भाषा नियोजन

०५. **व्याप्ती :-**

४. १ भाषेच्या सामाजिक व्यापराची घडण व प्रयाणपत्र
४. २ भाषा वेदांच्या अन्यात
४. ३ भाषा नियोजन [ आजाध्यापन, आजात्तर, लिपी ह. ]

[ २ ] **भाषा व संस्कृती**

१. भाषा : गूलतः रुद लांगांजक प्रक्रिया.
२. भाषा व ग्रार्थिक दर्ग व्याख्या [ न्यूनतिथदांत ]
३. भाषा व जाती व्याख्या
४. वित्रयांची भाषा व मुख्यांची भाषा
५. व्यावसायिकांची भाषा.
६. आजेये उपयोजन [ औपचारिक, अनौपचारिक ]
७. भाषेतोल निषिद्धता प्रकार
८. कांतिक अर्थ स्वस्माशास्त्र
९. सांकेतिक व गुणत भाषा

[ ३ ] **भाषा तंपर्क**

१. "भांडार भांडार" व "बहुदेश".
२. समाजातील वैभाषिकता
३. बहुभाषिकता
४. प्रथम भाषा - वैधतीध भाषा
५. मिळ भाषा / विळ बोली.
६. पिजीत भाषा. [ संकर भाषा ]
७. क्रिझॉल भाषा
८. बालभाषातिथदांत, बहुभाषिक निर्णीतीचा तिथदांत आणि

### संक्षिप्त निर्मीतीचा सिद्धांत.

४. भार्विक प्रदूषण व भाषाशुद्धीची चबवळ.
५. मराठोवरील परभाषाची आकृत्येण.
६. फाली व झूँगजीचा प्रवाद.
७. मराठीतील भाषाशुद्धीची चबवळ [कोलहटकर, तावरकर, कीरहागर इ. ये विचार.]
८. समकालीन मराठी आणि भाषिक प्रदूषणाचा प्रश्न.

### ५. प्रश्नाण भाषा.

१. प्रश्नाण भाषेची संकल्पना
२. भाषा व बोली : साम्य भेद.
३. प्रश्नाण वराठीये स्वरूप व पूर्वषीठीका
४. भाषातंत्रराची संकल्पना व मराठीतील भाषाची इय.

### ६. बोली विद्वान

१. भाषा व बोली पातील भेद.
२. बोली झूँगोलाची संकल्पना
३. मराठीच्या प्राक्षेपिक बोली
४. मराठीच्या व्यावसायिक बोली.
५. मराठीच्या भाषाभिक बोली.

### तत्र द्वितीये :-

#### ७. भारतातील भाषिक प्रश्न.

१. भारताचा भाषिक नकाशा.
२. भारतातील विविध भाषाकुले.
३. भाषाधर प्रांतरचनेयागची भूमिका व फलवृत्ती
४. भाषिक सलात्मतेची संकल्पना आणि राष्ट्र भाषेचा प्रश्न.
५. झूँगजीच्या जागी पर्यायो भाषा कोणतो ? संहळत की विंदी
६. सरकारी भाषा अंडाचा अंदवाल.
७. शासन व्यावधाराची भाषा : स्वरूप व प्रश्न.

#### ८. भाषा आणि लिपी.

१. भाषा आणि लिपी परस्पर संदर्भ
२. भारतीय भाषांत उपयोजित्या जाणा-या लिपी.
३. देवनागरी लिपी : स्वरूप, गाबर्ध्य इ. अवर्ददा.
४. देवनागरी लिपी सुधारण्याचे विविध प्रयत्न.
५. देवनागरी की रौप्यन् वादग्रस्त प्रश्न.
६. भारतात सर्व भाषांतांतै स्काच लिपीची शक्याशक्यता.

**९. भाषा आणि शिक्षण.**

१. शिक्षणाच्या सार्वत्रिक माध्यमाचा प्रश्न.
२. हिंगली, हिंदी लो प्राटेशिक भाषा.
३. परिभाषेच्या प्रश्न व वाठयपुस्तकांची निर्णीती.
४. आदिकाती रामाचिक प्रथाहाँपासून बाजूला पडलेल्या अभावांच्या शिक्षणाची वाढेल भाजू.
५. प्रौढ साक्षरतेचे राज्यीय धोरण आणि नवतात्त्वरांताठी बोलानाऱ्याचे उपयोजन.
६. भारतीयांनी अध्ययन अध्यापनाचे प्रश्न.
७. परभाषेच्या अध्यापनाचे प्रश्न व पद्धती.
८. भाषाशिक्षणाच्या नियमितीचा विकास, भाषिक वर्तन, लेखन क्रियक नियम इ.
९०. शासनव्यवहाराची भाषा.

१०. शासनव्यवहाराची भाषा : पूर्वीठोका.
२०. राज्याधिकारांनी शासन प्रयत्न.
३०. फारझी भाषी तंकर
४०. हिंगली भाषी तंकर
५०. हिंदी भाषी तंकर
६०. राजभाषा भाषीचा विकास [पदनामकोश, प्रशासनकोश इ.]
७०. परिभाषानिर्णीती : स्वरूप व प्रयत्न.
८०. कायद्याची भाषा.
९०. शासनप्रतीत भराठीदी तत्त्वे.

**११. जनसंपर्कसाध्यतांची भाषा.**

- सामाचिक अभिसरणाचे स्वरूप संवादव्यवहाराची मूलतात्वे.
१०. जनसंपर्कसाध्यतांची रुद्दस्य.
  २०. लोकव्यवहारात भाषेचे स्थान.
  ३०. वृत्तपत्रांची भाषा.
  ४०. आकाशवाणी व दूरदर्शनाची भाषा.
  ५०. जाहिरातीची भाषा.

**१२. भाषा आणि सांकेत्य.**

१०. भाषा व ईर्ली
२०. भाषिक तंत्रज्ञानी विकेंद्र आणि वाद्यप्रयीन उपयोजन
३०. सांहित्यातील "ग्रामरीण" व "प्रादेशिक" बोली.
४०. सांहित्यातील "भागरी बोली" [एम्बेच्या हिंदी इ.]
५०. लोकसांहित्यातील भाषेचे स्वरूप
६०. लोकव्यवहाराची विधिवृत्ति द्वेष आणि भराठी गणेशीलीचा विकास.

किंवा  
स्त्रीवादी आणि मार्क्सवादी साहित्य

उद्दिष्ट्ये :-

- १] मराठी साहित्यातील नव्या वाडे गयीन प्रवाहांचा परिचय करून देणे.
- २] स्त्रीवादी आणि मार्क्सवादी साहित्य प्रेरणांचा व प्रवृत्तींचा अभ्यास करणे.
- ३] स्त्रीवादी आणि मार्क्सवादी साहित्याने साहित्यक्षेत्रात झालेल्या बदलाचे स्वरूप निश्चित करणे.

सत्र प्रहिले

स्त्रीवादी साहित्य

- घटक १] स्त्रीवादाची प्रेरणा, संकल्पना आणि स्वरूप.
- घटक २] स्त्री मुक्तीची आंदोलने आणि स्त्रीवादी साहित्य पातील अनुबंध.
- घटक ३] पाप्रचात्य स्त्रीवादी साहित्याचा स्थूल परिचय.
- घटक ४] मराठीतील स्त्रीवादी जागीर्देये साहित्य आणि त्याची वैशिष्ट्ये.
- घटक ५] स्त्रीवादी दृष्टीकोनातून पुढील साहित्यकृतींचा विशेष अभ्यास.
- अ] स्त्रीपुरुषतुलना ————— ताराबाई शिंदे.
  - ब] मलम उद्घवत्ता छायचय ————— मर्लिका अमरेश.
  - क] अन्वय ————— अविवनी धोँगडे.
  - ड] दिवसोंदिवस ————— अनुराधा पाटील.
  - इ] स्केक पान गळाचया ————— गौरी देशमांडे.
  - फ] सगांतर ————— तानिया.

दुसरे सत्र

मार्क्सवादी साहित्य

- घटक १ : मार्क्सवादाची तारीखक ऐलन आणि स्वरूप.
- घटक २ : मार्क्सचे साहित्य विषयक चिचार.
- घटक ३ : मार्क्सच्या अनुयायाचे ताहित्य विषयक चिचार.
- घटक ४ : लालजी ऐडले, पु. य. देशमांडे, शरच्चंद्र मुकितबोध आणि दि. के. बेडेकर याचे मार्क्सवादी साहित्य चिचार.
- घटक ५ : मार्क्सवादाचा मराठी साहित्यगिरिंगीवरील प्रभाव.
- घटक ६ : मार्क्सवादी दृष्टीकोनातून पुढील साहित्यकृतींचा विशेष अभ्यास.
- १] दंधनाचया पलिकडे —————
  - २] दोन घूव ————— पि. स. खडिकर.
  - ३] सोन्याचया कला ————— सामा वेरेकर.
  - ४] क्षित्रा ————— शरच्चंद्र मुकितबोध.
  - ५] तंदिता ————— विंदा फरंदीकर.
  - ६] माझे विधापीठ ————— नारायण सुर्व.

संदर्भांग

- १] महाराष्ट्र सारस्वत - डि. त. लाये, श. गो. तुळपुले.
- २] मराठी वाङ्‌मयाचा इतिहास खंड १, २, ३ - ड. रा. पांगारकर.
- ३] प्राचीन मराठी वाङ्‌मयाचा इतिहास, आण-१ ते ७ - डॉ. अ. ना. देशमुख.
- ४] मराठी वाङ्‌मयाचा इतिहास, खंड १, २, ३ - प्रकाशन, महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे.
- ५] प्राचीन मराठी वाङ्‌मयाचे स्वरूप - प्रा. ह. श्री. ऐणोलीकर.
- ६] पाच सांख्यी, आवृत्ती तिसरी - श. गो. तुळपुले.
- ७] प्राचीन मराठी गप प्रेरणा आणि परंपरा - श्री. र. फुलकर्णी.
- ८] प्राचीन मराठी पंचिती काव्य - डॉ. ले. ना. वाटवे.
- ९] मराठी लाल्जी [हथा ग्रंथाची प्रस्तावना] - ग. वा. धोंद.
- १०] मराठी लाल्जी [हथा ग्रंथाची प्रस्तावना] - ग. वा. धोंद.
- ११] मराठी कवितेचा उत्तराल - श्री. म. घर्णे.
- १२] संत, पंत, तंत - श्री. म. माटे.
- १३] मराठी बछर वाङ्‌मयाचा पुनर्जीवार - ग. वा. ग्राषोपाध्ये.
- १४] बछर वाङ्‌मय - र. च. हेंडोड्डर.
- १५] मराठी बछर वाङ्‌मय उद्गम व विकास - डॉ. बाबूजी तंक्याळ.
- १६] मराठी ख्रिस्ती वाङ्‌मय - डॉ. ग. ना. मोरजे, [नगर कॉलेज प्रकाशन].
- १७] पाच नवितंप्रदाय - डॉ. र. रा. गोसाई [प्रा. अ. प्रकाशन]
- १८] प्राचीन मराठी वाङ्‌मय - ल. राज. नसिराबादकर.
- १९] संत वाङ्‌मयाची सामाजिक लक्ष्यता - ग. ना. तरदार.
- २०] पादवलांगीन मराठी - मु. य. वानरो.
- २१] प्राचीन मराठी ग - श. गो. तुळपुले.
- २२] मराठी संतानविती - डॉ. तुष्णिती हर्लेकर.
- २३] दत्ततंप्रदायाचा इतिहास - रा. च. दे. दे.
- २४] मराठीचा अभिय इतिहास - खंड १ - डॉ. प्र. न. जोशी.
- २५] संतांग - डॉ. प्र. न. जोशी.
- २६] संताचिंगे भेटी - हंडा, डॉ. मु. श्री. वाणे.
- २७] महातुभाव वाङ्‌मय - य. ख. देशमुख.
- २८] प्राचीन मराठी वाङ्‌मय - ग. ला. निरंतर.

## प्रश्नभागिनी दोन

सभीहाशास्त्र

देवी गुंज

- १] साहित्यसिद्धान्त - ऐने डेलेक बर्फटीन वॉरेन - अळवाढव स.ग. पालगे.
- २] परामी दीका - संया. कलंत दाक्कर.
- ३] लूटीझा - गो. म. कुलकर्णी.
- ४] लाली फ़ गार प्रवाह
- ५] लांदेषी नवी लै - गंगाधर पाटील.
- ६] टीका आणि टीकाजार - वा. भा. पाठक.
- ७] लाहत्य आणि लाहीगा - वा. ल. कुलकर्णी.
- ८] टीका आणि टिप्पणी - वा. ल. कुलकर्णी.
- ९] टीका लिवेक - श्री. के. क्षीरसागर.
- १०] छोंदी - शु. शिं रेणे.
- ११] लांदेषी आणि लज्जार - गो. वि. करंदीकर.
- १२] छड़ आणि पाणी - गंगाधर गाडगील.
- १३] पाण्याचरलया रेणा - गंगाधर गाडगील.
- १४] लाहत्य लियार - दि. न. वेळेकर.
- १५] ल. वैध - नरहर कुर्लंदर.
- १६] लांदेषी गीगांता - रा. भा. पाटपकर.
- १७] लौंगदुम - पुभाकर पाठ्ये.
- १८] आत्माद - प्रभाकर पाठ्ये.
- १९] लांहत्याचा फ़ू - उत्तम शीरसागर.
- २०] लांहत्यातील अधीरेखी - घ. द्व. हाताठण्णलेलर.
- २१] लांहत्यातील तत्त्वान - वि. ना. एवे.
- २२] टीकाशास्त्र परिचय - वा. ल. लोसार.
- २३] लालोत लमीझा - डॉ. श्रीमान जिनी ..

## प्रश्नपत्रिका तिरी

लेखकादा अभ्यास  
ज्ञानेश्वर/पि. पि. शिरडाडकर.

### संदर्भ ग्रन्थ

ज्ञानेश्वर

- १) ज्ञानेश्वरीतील ताहित्यदृष्टी य हृष्टी - नो. १. कुलकर्णी.
- २) ज्ञानेश्वरीतील विद्यग्रथ रसवृत्ती - डॉ. रा. शंखाब्दी.
- ३) ज्ञानेश्वरी, दशरथदर्श - संपा - डॉ. हे. दि. इनायदार.
- ४) ज्ञानेश्वरी आणि चित्रावे शाळ - लंया. स्नेहद तांडे.
- ५) ज्ञानेश्वरी तत्रसत्त्वदी ग्रन्थ - संपा अंगोळ एर्हे.
- ६) ज्ञानेश्वरीतील ताहित्य विद्यार - अनिल सदस्त्रहंदे.
- ७) ज्ञानियांची रागंता - डॉ. लीला गोविंदकर.
- ८) शोतांचा पारमार्थिक मार्ग - रा. द. रानडे.
- ९) ज्ञानेश्वरी - हंपा. शंखा. दाढिकर धांची प्रस्तावना.

पि. वा. शिरडाडकर.

- १) नटस्माट तमीळा - संपा. शो. हृ. पाठीक.
- २) गर्जी जयजागार - एक जागरण - संपा. डॉ. उषा मा. देशमुख.
- ३) कविया कृत्यानुजांती - अक्षयकुमार काळे.
- ४) शिरडकरांची नाट्ये - शोभना देशमुख
- ५) कृष्णानुज गौरवग्रन्थ - कृष्णानुज गौरव ग्रन्थ तमिती नाट्य.
- ६) का. दिंडी - डॉ. उषा देशमुख.
- ७) मांडवी - कृष्णानुज विशेषांक [१९६४]
- ८) लोकमित्र - कृष्णानुज विशेषांक [१९६४].
- ९) कवितात्ती - कृष्णानुज विशेषांक खंड १, २.
- १०] नटस्माट एक जप्त्यात् - प्रा. नो. द. श्रव्यमे.

## प्रश्नपत्रिका वौथी

### साहित्यकृतींचा अभ्यास संदर्भ ग्रन्थ

- १] पुरुषाच्य फ्रेजन - नी. ना. वनहट्टी.
- २] रामोद लेकार्ती - स. रा. - प्री. ना. वनहट्टी.
- ३] मोरोजंत बरिम व काढ्यविवेषन - ल. रा. पांगारजार.
- ४] ब्राह्मी. गराठी ग्रंथितीलाच्य - डे. ना. वाळये.
- ५] हृष्वर्च्छ्या उद्दितेची उच्चारी मरीला - डॉ. शीषाल समनीत.
- ६] रवि झैरे -
- ७] गंगाया - तं. रा. वि. भा. देशमांडे.
- ८] गराठी नाटक - स्थानिक्य काळ [१९७९-१९९०] - वि. भा. देशमांडे.

### किंवा

विनोदी साहित्य

### संदर्भग्रन्थ

- १] हात्य विनाद मीमांसा - न. चिं. केळकर.
- २] f नोंद तत्त्वज्ञान - प्रा. नाव गाडगीळ.
- ३] मराठी मुख्यात्मका - डॉ. तदा क-हाडे.
- ४] पराठी f. नोद - गो. गा. यदार.
- ५] महारा.द्र साहित्यपत्रिका विनोद विनांग.
- ६] t नोद विनांग प्राच्य : दीकेवा वेळा नूना - डॉ. नीलिमा गुडी,
- महारा.द्र साहित्य पत्रिका छैन-तप्टेपर, १९६२
- ७] f. फ. खोरी विनांग - प्रा. ... ग. मिरातदार,
- महारा.द्र साहित्यपत्रिका एप्रिल-मून, १९६२.
- ८] फ. दू. फोल्हटकर आद्. सपदर्शि - वा. ... मुराकरी.
- ९] झेंधो मुले [काढ. सुंहा वे ग्रस्तावना].
- १०] दूर्णी रुकरी [इस्तावना प्र. ने. अंत्रे].
- ११] प्रातीक्षा [कॉन्टेन्टल प्रातीक्षा].
- १२] हात्यविताणी [प्रस्तावना] - वि. फ. खोरी.
- १३] पाण्डाजरल्पा रेणा - गुणाधर गाडगीळ.
- १४] अदिला महाराष्ट्राची - डॉ. भीमराव फुलकरी.
- १५] f नोद एक व्याख्यान - डॉ. अ. पा. वर्णी.

## किंवा

### स्त्रीवादी आणि मार्क्सवादी भावित्य संदर्भांशु

- १] भारतीय स्त्रीजीवन - गीता हाने.
- २] बाष्पकडा - श्री. के. श्वीरहागर.
- ३] बाष्पजांचा कल्या - शांता फिल्म्स.
- ४] दिनद्वारा स्फूती आणि त्री - आ. इ. नान्डे.
- ५] लग्न प्रश्नांची घर्दा १९५५ कॅलेंडर - प्रतिभा रानडे.
- ६] जीध स्थतःचा - विधा नाळ.
- ७] भारतीय स्त्रीजीवन - लीला पट्टील.
- ८] स्त्रीपाद : त्वर्य आणि सगीळा - डॉ. अशिवनी धोंगडे.
- ९] श्रीयाणी - स्त्री साहित्य विभेदांक - सप्टे-ऑक्टोबर, १९६३  
का. स. वाणी प्रगत अध्ययन केंद्र, लैंडे.
- १०] अनुष्ठान - स्त्रीवाद विभेदांक.
- ११] महाराष्ट्र साहित्यपत्रिका अंक २५८ लौने-सप्टे. १९६१.
- १२] विजावरी विलकरांच्या वाइ. वडाऱ्ये स्त्रीवादी आज्ञा - उपातारी विद्या.
- १३] मार्क्सवादी साहित्य विधार - के. र. फिल्म्स.
- १४] साहित्य आणि साज जीळन - नावजी वेंडसे.
- १५] मार्क्सवाद आणि मराठी साहित्य - वि. स. जोग.
- १६] मराठी साहित्याची सांस्कृतिक प्रश्नवृद्धी - सदा रु-डाटे.
- १७] शृष्टी, सौर्दर्य आणि साहित्यमूल्य - शरशंद्र शुक्रियांशोध
- १८] फनवादी भावित्य - य. वा. वहस्कर.
- १९] साहित्याचा क्षा - उत्तम श्वीरहागर.
- २०] मार्क्सवाद आणि दलित भावित्य - वि. स. जोग.

गुणांची विभागणी

सम. ए. भाग-१ मराठी

तर्वय प्रश्नपत्रिकाते अवध्य उद्दीलूनामे राहील.

वेळ : ३ ताळ

एकूण गुण : १००

गुणला - १] सर्व प्रश्न आवश्यक आडेत.

२] दोन्ही विभागातील प्रश्नांची डात्तरे लक्षाव डात्तरपत्रिकेत विहारीत.

|               |  |        |
|---------------|--|--------|
| प्रश्न १ा     | दीर्घीत्तरी १ प्रश्न<br>किंवा                          | २० गुण |
|               | दीर्घीत्तरी १ प्रश्न                                   | २० गुण |
| प्रश्न २ा     | दीर्घीत्तरी १ प्रश्न<br>किंवा                          | २० गुण |
|               | दीर्घीत्तरी १ प्रश्न                                   | २० गुण |
| प्रश्न ३ा     | दीर्घीत्तरी १ प्रश्न<br>किंवा                          | २० गुण |
|               | दीर्घीत्तरी १ प्रश्न                                   | २० गुण |
| प्रश्न ४ा     | दीर्घीत्तरी १ प्रश्न<br>किंवा                          | २० गुण |
|               | दीर्घीत्तरी १ प्रश्न                                   | २० गुण |
| प्रश्न ५ा [अ] | पुढीलपैकी कोणत्याही दोहऱ्याकृ टीपा लिहा.<br>[४ पैकी २] | १० गुण |
|               | [आ]  | १० गुण |

टीप :- प्रश्नपत्रिकेतील १ा, २ा आणि ५ा [अ] हे प्रश्न पहिल्या सत्रातील अन्यातळमाचर आधारलेले असतील द ३ा, ४ा आणि ५ा [आ] हे प्रश्न छक्काचा सत्रातील अन्यातळमाचर आधारलेले असतील.

----- x x x x -----